Om Jai Jai Shri Shani Maharaj Aarti Lyrics in Hindi English

Om Jai Jai Shri Shani Maharaj Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय जय शनि महाराज,
स्वामी जय जय शनि महाराज ।
कृपा करो हम दीन रंक पर,
दु:ख हरियो प्रभु आज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

सूरज के तुम बालक होकर,
जग में बड़े बलवान ।
सब देवताओं में तुम्हारा,
प्रथम मान है आज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

विक्रमराज को हुआ घमण्ड फिर,
अपने श्रेष्ठन का ।
चकनाचूर किया बुद्धि को,
हिला दिया सरताज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

प्रभु राम और पांडवजी को,
भेज दिया बनवास ।
कृपा होय जब तुम्हारी स्वामी,
बचाई उनकी लॉज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

शुर-संत राजा हरीशचंद्र का,
बेच दिया परिवार ।
पात्र हुए जब सत परीक्षा में,
देकर धन और राज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

गुरुनाथ को शिक्षा फाँसी की,
मन के गरबन को ।
होश में लाया सवा कलाक में,
फेरत निगाह राज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

माखन चोर वो कृष्ण कन्हाइ,
गैयन के रखवार ।
कलंक माथे का धोया उनका,
खड़े रूप विराज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

देखी लीला प्रभु आया चक्कर,
तन को अब न सतावे ।
माया बंधन से कर दो हमें,
भव सागर ज्ञानी राज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

मैं हूँ दीन अनाथ अज्ञानी,
भूल भई हमसे ।
क्षमा शांति दो नारायण को,
प्रणाम लो महाराज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

ॐ जय जय शनि महाराज,
स्वामी जय-जय शनि महाराज ।
कृपा करो हम दीन रंक पर,
दु:ख हरियो प्रभु आज ॥
॥ ॐ जय जय शनि महाराज ॥

Om Jai Jai Shri Shani Maharaj Aarti Lyrics in English

Om Jai Jai Shani Maharaj,
Swami Jai Jai Shani Maharaj.
Kripa karo hum deen rank par,
Dukh hariyo Prabhu aaj.
॥ Om Jai Jai Shani Maharaj ॥

Suraj ke tum baalak hokar,
Jag mein bade balwaan.
Sab devataon mein tumhara,
Pratham maan hai aaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Vikramraj ko hua ghamand phir,
Apne shreshthan ka.
Chaknaachoor kiya buddhi ko,
Hila diya sarataaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Prabhu Ram aur Pandavji ko,
Bhejdia banvaas.
Kripa hoye jab tumhari Swami,
Bachai unki laaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Shur-sant raja Harishchandra ka,
Bech diya parivaar.
Paatra huye jab sat pariksha mein,
Dekh kar dhan aur raaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Gurunath ko shiksha phaansi ki,
Man ke garban ko.
Hosh mein laaya sawa kalaak mein,
Ferat nigah raaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Makhan chor wo Krishna Kanhaai,
Gayan ke rakhwaar.
Kalank maathe ka dhoya unka,
Khade roop viraaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Dekhi leela Prabhu aaya chakkar,
Tan ko ab na sataaye.

Maya bandhan se kar do humein,
Bhav saagar gyaani raaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Main hoon deen anath ajnaani,
Bhool bhai humse.
Kshama shanti do Narayan ko,
Pranam lo Maharaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

Om Jai Jai Shani Maharaj,
Swami Jai Jai Shani Maharaj.
Kripa karo hum deen rank par,
Dukh hariyo Prabhu aaj.
 Om Jai Jai Shani Maharaj

About Om Jai Jai Shri Shani Maharaj Aarti in English

“Om Jai Jai Shri Shani Maharaj Aarti” is a devotional hymn dedicated to Lord Shani, the celestial deity associated with the planet Saturn. Lord Shani is known for his power to bring about both challenges and blessings in the lives of individuals, depending on their karma. This aarti praises Lord Shani’s strength, wisdom, and his role in teaching valuable life lessons through trials and hardships.

The song begins by invoking Lord Shani’s blessings, asking for relief from suffering and hardships. It acknowledges Shani’s immense strength, his ability to affect change, and his role in bringing justice and balance to the universe. The aarti also highlights the past instances where Lord Shani played a pivotal role, such as testing the kings and sages, including King Harishchandra and Lord Rama, and how his influence shaped their destinies.

Lord Shani is also praised for his ability to remove obstacles, purify souls, and guide people towards righteousness. Devotees sing this aarti to seek protection from negative energies, gain strength to face life’s difficulties, and ask for Lord Shani’s grace to lead a prosperous life. The aarti serves as a reminder of the importance of karmic balance and the divine justice

that governs the universe.

About Om Jai Jai Shri Shani Maharaj Aarti in Hindi

“ॐ जय जय श्री शनि महाराज आरती” भगवान शनि की भक्ति में गाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भक्ति गीत है। भगवान शनि, जिन्हें शनिदेव भी कहा जाता है, ग्रहों के राजा माने जाते हैं और उनका प्रभाव जीवन में कर्मों के अनुसार सुख और दुख का निर्धारण करता है। यह आरती शनि महाराज के प्रति भक्तों के प्रेम और आस्था को व्यक्त करती है और उनके आशीर्वाद की याचना करती है।

इस आरती में भगवान शनि की महिमा का वर्णन किया गया है, जिसमें उनके द्वारा किए गए कार्यों, उनकी शक्ति और न्यायप्रियता का गुणगान किया जाता है। यह आरती शनि महाराज के द्वारा लोगों को उनके कर्मों का फल मिलने की प्रक्रिया को समझाती है और यह भी बताती है कि किस प्रकार शनि देव जीवन के कठिन दौर में भी हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

आरती में शनि महाराज के कष्टों से मुक्ति, उनकी कृपा से जीवन में सुख और समृद्धि प्राप्त करने की प्रार्थना की जाती है। भक्त इस आरती को गाकर शनि देव से कृपा और आशीर्वाद की कामना करते हैं, ताकि उनके जीवन से सभी नकारात्मकता दूर हो और वे सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति कर सकें।